घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 125- रविवार 08- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

जींद की फैक्ट्री में आग 5 महिलाओं की मौत

17 मजदूर झुलसे,मेन गेट पर बाहर से ताला लगा था,निकल नहीं पाए तो छत से कूदे

जींद,07 मार्च 2026। हरियाणा के जींद में शनिवार को होली के गुलाल और रंग बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई,जबकि 17 मजदूर झुलस गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। घटना सफीदों की भाट कॉलोनी की है। आरोप है कि फैक्ट्री के मेन गेट पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब फैक्ट्री में आग लगी तो मजदूर बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि आग कैसे लगी। सूचना पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा और एसपी कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

30 मजदूर काम कर रहे थे,अचानक आग भड़की

जानकारी के अनुसार,सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित एक रंग फैक्ट्री में शनिवार को अन्य दिनों की तरह लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में यह पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुएं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों में चीख-पुकार मच गई।

कुछ लोग जान बचाने के लिए छत से कूदे

आग फैक्ट्री के प्रवेश द्वार के पास लगी थी, जिसका संभावित कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग लगने के बाद अंदर मौजूद महिलाएं और अन्य लोग घबरा गए। कुछ लोग ऊपर की मंजिल पर चढ़ गए, तो कुछ अंदर के कमरों में छिप गए। कुछ लोगों ने ऊपर से कूदकर अपनी जान बचाई और बाहर शोर मचाया।

जन औषधि केंद्रों से रोजाना 15 लाख से अधिक लोग खरीदते हैं दवाइयां : नड्डा

नई दिल्ली,07 मार्च 2026। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की उस महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें, जिसके माध्यम से देशभर के लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। मोदी सरकार की यह पहल कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता को मजबूत बना रही है। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर कहा कि आज देश के शहरों, कस्बों और गांवों में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों के घरों के नज़दीक आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। ये केंद्र परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को संभालने में मदद कर रहे हैं और इलाज के आर्थिक बोझ को कम कर रहे हैं। वर्तमान में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इन केंद्रों से दवाइयां खरीदते हैं, जिससे जन औषधि केंद्र लाखों लोगों के लिए एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य समाधान बन गए हैं।

तेलंगाना : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सामने 130 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद,07 मार्च 2026। हैदराबाद में शनिवार को 130 माओवादियों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने 124 हथियार भी जमा कराए, जिनमें एके-47 राइफलें भी शामिल हैं। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 130 माओवादियों में से 125 छत्तीसगढ़ के हैं। चार तेलंगाना से हैं और एक आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। डीजीपी ने पत्रकारों से कहा कि अब तेलंगाना में माओवादियों की राज्य समिति नहीं बची है। यह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने प्रतीकात्मक रूप से अपने हथियार मुख्यमंत्री को सौंप दिए।

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े

ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत की आशंका,सरकार का एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश...

नई दिल्ली,07 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की एलपीजी गैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है।

सप्लाई संकट की 2 वजह

- **'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का लगभग बंद होना :** भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है,जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।
- **प्लांट पर ड्रोन हमले से एलएनजी का प्रोडक्शन रुका :** पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और पोर्ट्स को निशाना बनाया है। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने एलएनजी प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है।

सिलेंडर की किल्लत रोकने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश...

सरकार ने 5 मार्च को इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनरियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है।

गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा,भड़के खड़गे

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा होने के बाद मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पर्याप्त तेल-गैस और उर्वरक मुहैया कराने में लाचार साबित हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट में लिखा, घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 60 रुपए का इजाफा और कमर्शियल एलपीजी में 115 रुपए का मुनाफा कमाया। पहले कम अंतर्राष्ट्रीय दामों का लाभ जनता से छीना गया और अब महंगाई के बोझ से जनता का पसीना निकाला। जंग होने पर सब चंगा सी का दावा करने वाली मोदी सरकार, पर्याप्त तेल-गैस और उर्वरक मुहैया कराने में लाचार साबित हुई है। इसके पहले, कांग्रेस ने पोस्ट किया, मोदी सरकार ने जनता को झटका दिया है। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम सीधे 60 रुपए बढ़ा दिए हैं। वहीं, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के लिए अब आपको 115 रुपए ज्यादा चुकाना होगा। बीते 3 महीने में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 307 रुपए बढ़ गए हैं। केंद्र सरकार लगातार जनता पर महंगाई का हंटर चला रही है। वहीं आम आदमी पार्टी ने भी एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने पर केंद्र सरकार को घेरा। आप पार्टी ने पोस्ट पर लिखा, मोदी सरकार ने जनता को होली गिफ्ट दिया है। देश की जनता बढ़ती महंगाई से पहले ही त्रस्त है और उसके ऊपर से सरकार ने एक और बम फोड़ा है। सरकार ने घरों में इस्तेमाल होने वाले एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 60 रुपए और बढ़ा दिए हैं। बता दें कि तेल कंपनियों ने शनिवार को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया।

राम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी

हाईकोर्ट ने दिया फैसला,7 साल पहले उम्रकैद हुई थी,3 अन्य की सजा बरकरार

चंडीगढ़,07 मार्च 2026। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया। राम रहीम इससे पहले डेरा मैनेजर रणजीत हत्याकांड में पहले ही हाईकोर्ट से बरी हो चुका है।

हालांकि सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है। इस वजह से राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा। उधर,रामचंद्र के बेटे अंशुल ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि सीबीआई ने इस मामले की अच्छी पैरवी की है, सभी सबूत दिए गए। राम रहीम को बाहर निकालना गलत है। हम अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसको लेकर खूब बवाल मचा था। जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद मामले में डेरा मुखी सहित अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ सभी दोषियों ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी।

हाईकोर्ट ने कहा... सबूतों का अभाव

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष और सीबीआई की ओर से बहस की गई। मगर, कोर्ट ने सबूतों को नाकाफी ठहरा दिया। वहीं,कुलदीप, निर्मल और किशन लाल के खिलाफ अदालत ने पाया कि उनके खिलाफ उपलब्ध सबूत और गवाह से उनकी भूमिका स्पष्ट रूप से स्थापित होती है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखने का आदेश दिया।

बंगाल में कॉन्फ्रेंस की जगह बदलने पर राष्ट्रपति नाराज

बोलीं...राज्य सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहती,मैं भी बंगाल की बेटी,ममता छोटी बहन

कोलकाता,07 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर शनिवार को नाराजगी जताई। उन्होंने कहा...मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। राष्ट्रपति ने कहा...नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई राज्य मंत्री उन्हें रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर कहा...कि अगर प्रोग्राम बिधाननगर में होता, तो बेहतर होता। वहां काफी जगह है और बहुत से लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां मीटिंग की इजाजत क्यों नहीं दी। दरअसल 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंचीं थीं। इसी दौरान उन्होंने छोटे कार्यक्रम स्थल को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि फांसिदेवा में तय किया गया मैदान काफी छोटा था,जिसके कारण कई लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति मुर्मू ने और क्या कहा...अगर कार्यक्रम बिधाननगर में होता तो बेहतर होता, क्योंकि वहां ज्यादा जगह है और ज्यादा लोग आ सकते थे। गोशाईपुर में जगह छोटी होने की वजह से कई लोग कार्यक्रम में नहीं आ सके। कार्यक्रम ऐसी जगह रखा गया जहां लोगों का पहुंचना मुश्किल था।

नेपाल की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए भारत प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

नई दिल्ली,07 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल की जनता और वहां की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने नेपाल में संसदीय चुनाव के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि वह नेपाल के लोगों और सरकार को सफल तथा शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर हार्दिक बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर हर्ष होता है कि उनके नेपाली भाई-बहन लोकतांत्रिक अधिकारों का इतने उत्साह और जीवंतता के साथ प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा का गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल की जनता और वहां की नई सरकार के साथ मिलकर शांति,प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच मित्रता और सहयोग के संबंध भविष्य में और मजबूत होंगे।

सीएम ममता बनर्जी की हुंकार...धरने के दूसरे दिन कहा...दिल्ली की सरकार दया पर टिकी...ज्यादा दबाव डाला तो गिरा दूंगी...

कोलकाता,07 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं। उन्होंने कहा,मैं जानती हूं चंद्रबाबू नायडू की दया पर तुम्हारी सरकार बनी हुई है। कोलकाता में जारी धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि बंगाल की जनता को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'वोट काटकर बंगाल को बांटने की कोशिश पहले भी की गई,लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। बंगाल लड़ना जानता है और यहां के लोग लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं। ममता बनर्जी ने केंद्र की गठबंधन राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली की मौजूदा सरकार सहयोगी दलों के सहारे टिकी हुई है। उन्होंने चंद्रबाबू नायडू का नाम लेते हुए कहा, कुछ लोग दूसरों की दया पर टिके हुए हैं, और यदि स्थिति ज्यादा बिगड़ी तो वह दिल्ली की सत्ता को भी चुनौती देने से पीछे नहीं हटेंगी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के मुद्दे को लेकर भी संकेतात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह सब कुछ जानती हैं कि राज्यपाल को क्यों हटाया गया, लेकिन फिलहाल इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहेंगी। इतना जरूर कहा कि राज्यपाल को धमकी दी गई थी।

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक खदेड़े जाएंगे घुसपैठिए : शाह

हरिद्वार में 3 पाकिस्तानी शरणार्थियों को दी नागरिकता,ई-0 एफआईआर सिस्टम शुरू

हरिद्वार,07 मार्च 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरिद्वार में आयोजित राज्य सरकार के '4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया था और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संवार रहे हैं। केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, उन्हें चुन-चुनकर भारत से बाहर निकालने का काम किया जाएगा। एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे शाह का देहरादून के जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्वागत किया। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से हरिद्वार के बैरागी कैंप मैदान पर पहुंचे। यहां उन्होंने ई-0 एफआईआर प्रणाली की शुरुआत की और 1129.91 करोड़ रुपए की 39 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिसके बाद सीएए के तहत 3 पाकिस्तानी और 1 अफगानिस्तानी शरणार्थी को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे।

घुसपैठियों पर सख्ती का ऐलान...

अमित शाह ने कहा... कि देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, उन्हें चिन्हित कर भारत से बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। शाह ने कहा कि हरिद्वार का कुंभ पूरे भारत की आस्था का केंद्र है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में कुंभ के साथ उत्तराखंड में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

बिना सिफारिश मिल रही नौकरियां...

शाह ने कहा कि आज युवाओं को नौकरी पाने के लिए न पर्ची चाहिए और न ही खर्ची। पारदर्शी व्यवस्था के कारण युवाओं को मेरिट के आधार पर रोजगार मिल रहा है।

देश विकास और सुशासन की नई गाथा लिख रहा : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश विकास और सुशासन की नई गाथाएं लिख रहा है। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तराखंड की जनता ने सभी मिथकों को तोड़ते हुए भाजपा को दोबारा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया।

धारा 370 हटाकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का सपना साकार : धामी

धामी ने कहा कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर 'एक भारत,श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूत किया है। साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू कर वर्षों से उपेक्षित हिंदू शरणार्थियों को सम्मान और सुरक्षा का अधिकार दिलाया गया।

चीन की औद्योगिक ताकत से कैसे मुकाबला करेगा भारत?

पड़ोसी देश की प्रणाली बेजोड़ लेकिन अलोकतांत्रिक : राहुल गांधी

तिरुवनंतपुरम,07 मार्च 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि चीन ने दुनिया में एक बेहतरीन और बेजोड़ औद्योगिक प्रणाली बनाई है। लेकिन,पड़ोसी देश की व्यवस्था दबाव डालने वाली और अलोकतांत्रिक है। यह बात उन्होंने तिरुवनंतपुरम में आईटी पेशेवरों से बातचीत के दौरान कही। राहुल गांधी टेक्नोपार्क में आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, चीन ने औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। जबकि अमेरिका,भारत और दुनिया के कई देश केवल खपत (कंजम्प्शन) ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा, असली रोजगार औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में होता है,न केवल खपत में। कांग्रेस नेता ने कहा, निराश करने वाली बात यह है कि भारत ने चीन को औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर पूरी तरह कब्जा करने दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा,चीन ने एक शानदार औद्योगिक प्रणाली खड़ी की है,जिसका मुकाबला दुनिया में कोई नहीं कर सकता। भारत को चीन की दबाव वाली व्यवस्था पसंद नहीं है। वहां (चीन) लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए मजबूत औद्योगिक उत्पादन प्रणाली खड़ी कर लेता है,तो यह भारत और दुनिया के लिए बहुत बड़ी सेवा होगी। राहुल गांधी ने एक और चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आजकल सैन्य ताकत तेजी से इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी की तकनीक ओर बढ़ रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध व पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष में भी यह देखा जा सकता है। उन्होंने कहा,इस तकनीक पर अभी चीन का दबदबा है, न कि भारत,अमेरिका या यूरोप का और यह एक बड़ी समस्या है।

संपादकीय

महिलाओं के योगदान को मिलती पहचान

गरिमापूर्ण रोजगार के नए अवसर हो रहे सृजित

यह लेख भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका,विशेषकर देखभाल अर्थव्यवस्था के माध्यम से,पर प्रकाश डालता है। मोदी सरकार इस अदृश्य श्रम को मान्यता और पेशेवर स्वरूप दे रही है, जिससे महिला श्रम शक्ति भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है (23.3% से 41.7%)...

देश आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका परिधि में नहीं,बल्कि केंद्र में रही है। आज समाज की हर दृश्यमान उपलब्धि के पीछे महिला संचालित एक आधारशिला अनवरत कार्य कर रही है,जिसका नाम है-देखभाल की अर्थव्यवस्था यानी केयर इकोनमी। यह वह मौन ऊर्जा है, जो भारत के अस्तित्व को हर पल संबल प्रदान करती है।

यह उस मां का समर्पण है,जो सूर्योदय से पूर्व अपनों के लिए भोजन पकाती है और फिर जीविका की चुनौतियों से जूझने निकल पड़ती है। यह उस पत्नी की अटूट निष्ठा है,जो कठिन से कठिन समय में भी परिवार की नींव को दरकने नहीं देती। यह उस बेटी का निःस्वार्थ भाव है,जो दिन भर की थकान के बाद भी रात के पहर अपने माता-पिता के सिरहाने बैठती है। यह शक्ति किसी यश या प्रशंसा की आकांक्षी नहीं है। वह तो बस कर्तव्य की उस अविरल धारा की तरह है, जो बिना शोर मचाए सृजन करती रहती है।

ऐतिहासिक रूप से महिलाओं के योगदान का एक विशाल हिस्सा विशेषकर अवैतनिक देखभाल,अनौपचारिक श्रम और सामुदायिक सेवा पारंपरिक आर्थिक गणनाओं की परिधि से बाहर रहा है। इसे देखते हुए मोदी सरकार ने देखभाल के इस अदृश्य पहलू को कम करने,उसे सामाजिक मान्यता देने और उसके न्यायसंगत पुनर्वितरण पर बल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं,बल्कि विकास के अग्रदूत के रूप में मान्यता दी गई है। महिला नेतृत्व वाला विकास आज एक सशक्त नीतिगत दृष्टि है,जो बजट,कार्यक्रमों और संस्थागत सुधारों में परिलक्षित होती है।

सरकार का दृष्टिकोण देखभाल से जुड़ी सेवाओं को पेशेवर स्वरूप प्रदान कर उन्हें समावेशी विकास के एक नए इंजन के रूप में रूपांतरित करना है। यही कारण है कि हाल में भारत में महिला श्रम शक्ति सहभागिता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़ा भारतीय महिलाओं की बढ़ती आकांक्षाओं और आर्थिक गतिविधियों में उनके बढ़ते प्रभुत्व का सूचक है। सवैतनिक कार्यों में महिलाओं की यह भागीदारी न केवल घरेलू समृद्धि का आधार बन रही है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता को भी नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

आर्थिक सर्वेक्षण इस वास्तविकता को रेखांकित करता है कि यदि हम अवैतनिक देखभाल के बोझ को कम कर सकें और इन सेवाओं को एक व्यावसायिक स्वरूप प्रदान करें तो महिला रोजगार के परिदृश्य में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा। भारतीय केयर इकोनमी वर्तमान में लाखों लोगों की आजीविका का संबल है और आने वाले दशक में इसमें रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। यही कारण है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में केयर इकोनमी को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया है।

इतिहास के दर्पण में झिलमिलाता अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

महिला हितों,राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान, लैंगिक भेदभाव से मुक्ति तथा काम के घंटे,समान अवसर एवं वेतन की पैरवी करता अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक ऐसी समाज रचना की नींव रखता है जहां महिला मानवोचित गरिमामय वातावरण में न केवल काम कर सकें अपितु अपने सपनों की पतंग को अनंत आकाश में उड़ान भी दे सकें। महिला सशक्तिकरण की राह इतनी आसान नहीं है जितनी ऊपर से दिखाई देती है। पूरी दुनिया का संदर्भ लें तो पाएंगे कि सर्वाधिक शारीरिक हिंसा का शिकार महिलाएं हैं। बलात्कार और यौन हिंसा की आग में झुलसती महिलाओं की सूखी आंखों में डर समाया हुआ है। उनके लिए शिक्षा के रास्ते कांटों भरे हैं, यौन दासी बनाकर युद्ध के लिए बच्चे पैदा करने की जमीन बन चुकी औरतें मौत से भी बदतर जीवन जीने को अभिशप्त हैं। उद्योग-धंधों,कारखानों, ईंट-भट्ठों,सड़क-भवन निर्माण में पुरुषों के बराबर घंटों में काम करने के बावजूद मजदूरी में भारी असमानता है। राजनीति की चमकीली फिसलन भरी राह में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण का झुनझुना थामे वह मंजिल से दूर खड़ी अभी जोर-जोर नारे उछाल रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला के बुनियादों सवालों पर विमर्श करते हुए राह की चुनौतियों के कंकड़-पत्थर बीनते हुए उपलब्धियों के शिखर पर महिलाओं का गौरव गान हो, यही पावन उद्देश्य है।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शताधिक वर्षों की यात्रा इतिहास के दर्पण में झिलमिला रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास एवं परम्परा पर दृष्टिपात करें तो 28 फरवरी,1909 में न्यूयार्क, अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी द्वारा महिला मुद्दों पर पहला आयोजन होता दिखाई देता है। 1900 का पहला दशक दुनिया में बड़े परिवर्तन और उथल-पुथल का दशक था। शिक्षा, सूचना, उद्योग,स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे थे। इस बदलाव की आंधी से महिला हितों पर सोचने-समझने वाली संस्थाएं और महिला समूह जागरूक होकर सामूहिक चेतना का प्रसार करने में लगे थे। 1910 में 17 देशों की एक हजार से अधिक महिलाओं ने सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपेनहेगन में आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भागीदारी कर महिलाओं को मताधिकार देने की मांग किया। जर्मनी की समाजवादी नारीवादी नेता क्लारा जेटकिन के प्रस्ताव के बाद 1911 में आस्ट्रिया,डेनमार्क,जर्मनी तथा स्विट्जरलैंड में पहला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना कर काम करने, प्रशिक्षण प्राप्त करने,भेदभाव समाप्त करने, सार्वजनिक पदों पर नियुक्त होने और मताधिकार प्राप्त करने सम्बंधित मांगे रखीं। बातें कुछ आगे बढ़तीं किंतु प्रथम विश्वयुद्ध की आग में दुनिया झुलसने लगी। पर बारूद की गंध और बमों के धमाकों के बीच 1917 में सोवियत रूस की 20 लाख सैनिकों की विधवा महिलाओं ने रोटी और शांति के लिए हड़ताल कर दी। चार दिन की देशव्यापी हड़ताल से जार को महिलाओं को मताधिकार देते हुए अपना पद छोड़ना पड़ा था। वह ऐतिहासिक दिन रूसी कैलेण्डर में 23 फरवरी और शेष दुनिया में स्वीकार्य ग्रेगेरियन कैलेण्डर में 8 मार्च था। आगे आयोजनों में समानता की दृष्टि से वर्ष 1921 से 8 मार्च की तिथि महिला दिवस मनाने हेतु निश्चित की गई और इस दिन आयोजन लगातार दशकों तक होते रहे पर इस महिला दिवस की यात्रा में एक महत्वपूर्ण अवसर 1975 में तब आया जब संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सार्वभौमिक रूप से मैक्सिको की राजधानी मैक्सिको सिटी में महिलाओं के खिलाफ भेद-भाव की समस्या से मुक्ति के लिए गम्भीर आयोजन किया गया और 1977 में इस दिवस को प्रस्ताव के माध्यम से वैश्विक मान्यता प्रदान कर दी। वर्ष 1996 में पहली बार थीम आधारित आयोजन आरम्भ हुए। उस वर्ष थीम थी-अतीत की खुशियां, भविष्य के लिए योजना। 1997 में शांति की मेज पर महिलाएं तथा 1998 में महिलाएं और मानवाधिकार जैसी महत्वपूर्ण थीम निर्धारित कर आयोजन किये गये,जिससे पूरी दुनिया की महिलाओं में जागरूकता बढ़ी और अपने अधिकारों के लिए लड़ने-जूझने की भावना एवं आत्मविश्वास पैदा हुआ। वर्तमान वर्ष 2026 की थीम है- दान करके लाभ प्राप्त करें,जो उदारता, आत्मीयता एवं परस्पर मधुरता का संवाहक सूत्र है। 2011 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई,जब महिला दिवस आयोजन का शतक पूरा हुआ और सौवां महिला दिवस मनाया गया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने मार्च माह को महिला इतिहास माह घोषित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन विश्व के दो दर्जन से अधिक देशों ने सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है,ये देश हैं लाओस,अफगानिस्तान, आर्मेनिया,अज़रबैजान,बेलारूस, क्यूबा,बुर्किना फासो,कम्बोडिया, जार्जिया,गिनी बिसाऊ,इरीट्रिया, कजाकिस्तान,किर्गिस्तान,मोल्दोवा, मंगोलिया,मोंटेनेग्रो, रूस, तजाकिस्तान, युगांडा,तुर्कमेनिस्तान,यूक्रेन,उज़्बेकिस्तान,वियतनाम तथा ज़ाम्बिया।

चीन,नेपाल और मेडागास्कर ने केवल महिलाओं के लिए अवकाश घोषित किया है। इस दिन यहां पर महिलाओं के सम्मान के कार्यक्रम होते हैं,उन्हें पुष्प-गुच्छ, स्मृति चिह्न और भेंट-उपहार समर्पित किए जाते हैं। भारत के संदर्भ में बात करूं तो यहां महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के लिए सरकारी स्तर पर तमाम योजनाएं संचालित हैं। भारत सरकार द्वारा 2007 में महिला दिवस केंद्रित 5 से 15 रुपए मूल्य के डाक टिकटों के चार सेट जारी किए गये थे। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा महिलाओं की सुरक्षा,संरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम संचालित है। 1999 से दो लाख रुपये का नारी शक्ति सम्मान दिया जा रहा है। कह सकते हैं भारत में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की निष्कंटक राह बनते हुए हम देख रहे हैं। महिला अधिकार,गरिमा एवं समानता को समर्पित यह दिवस महिलाओं के स्वप्नों को साकार करने की सुदृढ़ भूमि तैयार कर सके,यही शुभेच्छा है।

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नजरिया

रमेश सर्राफ
धमोरा,झुंझुनु,राजस्थान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक,सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने,बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है,जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक,सांस्कृतिक,आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बे ना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा,नेतृत्व,उद्यमिता, विज्ञान,कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं,तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है।

भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां

नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856,इंडियन पीनल कोड 1860,मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861,क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874, चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954,हिन्दू मैरिज एक्ट 1955,फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969,मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़,दहेज उत्पीड़न,घरेलू हिंसा,यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध,और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले,साइबर अपराध के 605 मामले,पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274,दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी,जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

युद्ध की अमानवीय विभीषिका

विजय की होड़ में मानवता दांव पर

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

मानव इतिहास के सबसे गहन और पीड़ादायक अध्यायों में से एक है,युद्ध की भयावहता,जहां हिंसा के नाम पर न केवल जीवन नष्ट होते हैं,बल्कि पूरी सभ्यता के मूल्य धूल में मिल जाते हैं। यह कोई विजयी परेड नहीं,बल्कि एक ऐसा भयानक तांडव है जो परिवारों को चूर-चूर कर देता है, सपनों को राख में बदल देता है और आने वाली पीढ़ियों को अनंत कष्टों का उपहार थमा देता है। जब हम युद्ध के चश्मे से हटकर देखते हैं,तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह कभी समाधान नहीं लाता,बल्कि केवल विनाश की सतत् श्रृंखला को जन्म देता है। द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता हो या हाल के संघर्ष या विवाद, जो युद्ध में परिणित हो चुके हैं, जिससे हर बार नागरिक जीवन सबसे अधिक प्रभावित होता है, जहां निर्दोष बच्चे अनाथ हो जाते हैं,मां-बाप अपनों को खोकर खोखले हो जाते हैं,और महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों की कोई सीमा नहीं रह जाती। सुरक्षा का नामोनिशान मिट जाता है,लाखों की संख्या में लोग बेघर होकर सीमाओं पर भटकते रहते हैं,अपने घर-गांव को पीछे छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस विभीषिका का एक और भयानक रूप स्वास्थ्य और भुखमरी का संकट है,जो युद्ध के दौरान मानवीय सहनशक्ति की सारी सीमाओं को तोड़ देता है। दवाओं की भारी कमी से घाव सड़ते रहते हैं,संक्रमण फैलता है और अस्पताल ध्वस्त हो जाने से मरने वालों की संख्या आसमान छूने लगती है। भोजन अभाव कुपोषण को जन्म देता है,ख़ासकर बच्चे जो कमज़ोर पड़कर भविष्य की नींव ही हिल जाते हैं,जबकि महामारियां अनियंत्रित होकर जनसंख्या को निगल लेती हैं। कानूनी उल्लंघनों की यह लंबी श्रृंखला और भी चिंताजनक है,जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों को ठेंगा दिखाया जाता है। नागरिकों की सुरक्षा भूलकर स्कूल, धार्मिक स्थल,अस्पताल निशाने पर आ जाते हैं,जो युद्ध अपराधों के रूप में सिद्ध होते हैं। विजय की होड़ में मानवता दांव पर लग जाती है,और विजेता भी अंततः एक खोखली जीत के साथ रह जाता है। तकनीकी युद्ध ने इस अमानवीयता को नई जटिलता प्रदान कर दी है,जहां ड्रोन आसमान से बिना भेदभाव के मौत बरसाते हैं,साइबर हमले बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली,पानी और संचार को ठप्प कर देते हैं,तथा सटीक मिसाइलें शहरों को गिनाती चली जाती हैं। सटीकता का दावा झूठा साबित होता है,क्योंकि अधिकांश

हताहत निर्दोष नागरिक ही होते हैं। आर्थिक विनाश तो और भी विस्तृत है,महंगाई आसमान छूती है,गरीबी दोगुनी हो जाती है,तेल और खाद्य संकट व्यापार को ठहरा देते हैं। पर्यावरणीय तबाही के रूप में जंगल जलाए जाते हैं,नदियां ज़हरीली हो जाती हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक धीमी मौत का कारण बनती हैं। दीर्घकालिक मानसिक आघात इसकी सबसे गहरी क्षति है, जहां पीढ़ियां आघातग्रस्त हो जाती हैं,शिक्षा रुक जाती है,मानसिक रोगों के साथ महामारी फैल जाती है, और समाज के ताने-बाने टूटकर बिखर जाते हैं। आंकड़े चीख-चीखकर बताते हैं कि 90 प्रतिशत हताहत नागरिक ही होते हैं,जो युद्ध के काले सत्य को उजागर करते हैं। फ़िर भी, इस अंधकार में शांति के व्यावहारिक उपाय संभव हैं और इन्हें अपनाना अनिवार्य है। कूटनीति को प्राथमिकता देकर बातचीत को अनिवार्य बनाना चाहिए,जहां मानवीय सहायता जैसे खाना, आश्रय और चिकित्सा तुरंत पहुंचे। शिक्षा के माध्यम से शांति संस्कृति को बढ़ावा देना होगा, हिंसा के त्याग को सामाजिक मूल्य बनाना होगा, तथा वैश्विक एकता से युद्ध अपराधों को कड़ी सजा सुनिश्चित करनी होगी। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों को मज़बूत करके संघर्षों का पूर्वानुमान और निवारण संभव है। अंततः युद्ध विभीषिका है,मानवता का अपमान इसे रोकने का एकमात्र मार्ग शांति चुनना है, क्योंकि जीवन ही सच्ची विजय है। यह चेतना ही हमें विनाश के चक्र से मुक्त कर सकती है। सोचिए विचार कीजिए ।

सफलता-असफलता जीवन के दो अनिवार्य पहलू

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए,जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी।

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे। निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है।

जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं। संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है,वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस,उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार,हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा

मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है,इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है,शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता,हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में,खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है,क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है। इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने,झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक,नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पंडो जनजाति की जमीन हड़पने का मामला उजागर...भाजपा

जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद 7 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नेतृत्व से पंडो समाज को मिला न्याय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत माजा के आश्रित ग्राम राजाकटेल, ग्राम कटिंडा, और चोड़या में निवासरत अति विशेष संरक्षित जनजाति (पंडो) परिवारों के साथ भूमि हड़पने का गंभीर मामला सामने आया है। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के लखनपुर प्रवास के दौरान यह विषय उनके संज्ञान में लाया गया,जिसमें बताया गया कि गांव में रहने वाले कुछ मुस्लिम व्यक्तियों द्वारा कूटरचना एवं जालसाजी कर पंडो समाज के परिवारों की पैतृक भूमि पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक स्थिति है कि देश की सबसे कमजोर एवं संरक्षित जनजातियों में शामिल पंडो समाज को अपने ही गांव में अन्याय और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में दिनांक 07.03.2026 को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नेतृत्व में राजाकटेल, चोडेया और कटिंडा के प्रभावित पंडो परिवारों द्वारा पुलिस अधीक्षक, जिला सरगुजा के समक्ष लिखित आवेदन प्रस्तुत कर अतिक्रमणकारी व्यक्तियों के विरुद्ध अपराध दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायत में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जालसाजी के माध्यम से उनकी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। गंभीर बात यह भी सामने आई कि आवेदन देने के बाद जब शिकायतकर्ता पंडो परिवार अपने गांव लौटे तो अतिक्रमणकारी तत्वों द्वारा उन पर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की धमकी और दबाव की राजनीति लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन के लिए अत्यंत चिंताजनक है। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सरगुजा से दूरभाष पर चर्चा की और दोषी अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा तत्काल सात अतिक्रमणकारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है एवं अन्य अतिक्रमणकारियों के खिलाफ जांच कार्यवाही जारी है और उसके उपरांत सभी अतिक्रमणकारियों की गिरफ्तारी हो सकेगी द्य पुलिस द्वारा की गई तत्काल कार्यवाही हेतु भारत सिंह सिसोदिया ने पुलिस अधीक्षक सरगुजा को धन्यवाद ज्ञापित किया है इन अवसरों पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष , एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष बिन्देश्वरी पैकरा, इंदर भगत,निलेश सिंह,रविकांत ओरांव, कमलेश टोप्पो,रुपेश दुबे,धनंजय मिश्रा एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं पंडों समाज के लोग उपस्थित थे।

साहित्य और समाजसेवा के लिए राजलक्ष्मी पाण्डेय को किया गया डॉक्टरेट अवार्ड से सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग में पदस्थ पर्यवेक्षक और वरिष्ठ साहित्यकार राजलक्ष्मी पाण्डेय 'राज' को साहित्य,पेंटिंग और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान,संग्रहालय बालाघाट (मध्यप्रदेश) द्वारा 'वाचस्पति' मानद उपाधि (डॉक्टरेट अवार्ड) से सम्मानित किया गया है। राजलक्ष्मी पाण्डेय वर्तमान में राष्ट्रीय कवि संगम, अम्बिकापुर की जिलाध्यक्ष भी हैं और लंबे समय से साहित्यिक व सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने हिंदी और सरगुजिहा भाषा में अब तक करीब 640 रचनाएं लिखी हैं,जिनमें कविता, कहानी,लेख, गीत,नाटक और लघुकथाएं शामिल हैं। उनकी रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी से 127 भेंटवार्ता, 25 काव्यपाठ और 14 कहानियों के रूप में हो चुका है। इसके अलावा विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में भी उनकी कविताएं और कहानियां प्रकाशित हुई हैं। वे कई मंचीय कार्यक्रमों में मंच संचालन, नाट्य मंचन और शासकीय कवि सम्मेलनों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती रही हैं। राजलक्ष्मी पाण्डेय को अब तक सरगुजा प्रशासन, राजभाषा आयोग छत्तीसगढ़ और राष्ट्रीय कवि संगम सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा 55 से अधिक सम्मान मिल चुके हैं। छात्र जीवन में भी उन्होंने नृत्य,पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। साहित्य के साथ-साथ वे बालिका शिक्षा प्रोत्साहन, महिलाओं में शिक्षा जागरूकता और जरूरतमंद बच्चों की सहायता जैसे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। वर्तमान में वे बाल कहानी संग्रह, बाल कविता संग्रह 'मीना की गुडिया',किशोरी स्वास्थ्य विषयक पुस्तक और 'मैं सरगुजा कर माटी हों' काव्य संग्रह पर कार्य कर रही हैं। बताया जाता है कि राजलक्ष्मी पाण्डेय का कला और साहित्य से जुड़ाव बचपन से ही रहा है। मात्र 10 वर्ष की उम्र से ही उन्हें चित्रकला, नृत्य, अभिनय, खेल और लेखन में रुचि रही है।

अनोखी सोच संस्था ने निभाया मानवता का धर्म, असहाय महिला का कराया अंतिम संस्कार-दो मासूम बच्चे हुए अनाथ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

मानवता और संवेदनशीलता की एक मार्मिक मिसाल उस समय देखने को मिली जब अनोखी सोच संस्था ने एक असहाय और गरीब महिला का पूरे विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार कराया। संस्था हमेशा से ऐसे लोगों के अंतिम संस्कार का दायित्व उठाती रही है जिनका इस दुनिया में कोई सहारा नहीं होता। ग्राम चितरपुर,पोस्ट डूमरडीह - लुंड्रा की निवासी मृतिका यशोदा गुप्ता (उम्र 32 वर्ष) का उपचार विगत दो दिनों से मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में चल रहा था। गंभीर बीमारी से जूझ रही यशोदा गुप्ता ने दिनांक 7 मार्च 2026 को मेडिकल कॉलेज में अंतिम सांस ली। यशोदा गुप्ता विधवा थीं और अपने दो छोटे बच्चों गणेश गुप्ता (उम्र 10 वर्ष) और मनीष गुप्ता (उम्र 5 वर्ष) के साथ अपने पिता के घर रह रही थीं। परिवार अत्यंत गरीब स्थिति में जीवन यापन कर रहा था। बच्चों के पिता का साया पहले ही उनके सिर से उठ चुका था और अब मां के निधन के बाद दोनों मासूम बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए। महिला की मृत्यु के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि उनके पास अंतिम संस्कार करने के लिए न पर्याप्त लोग थे और न ही कोई संसाधन। ऐसी कठिन परिस्थिति में मेंडिकल कॉलेज में कार्यरत एक नर्स ने उन्हें अनोखी सोच संस्था से संपर्क करने की सलाह दी। इसके बाद संस्था के अध्यक्ष श्री सूर्य प्रकाश साहू से संपर्क किया गया। सूचना मिलते ही संस्था के सदस्य तुरंत आगे आए और मृतिका यशोदा गुप्ता का पूरे विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार कराया। दाह संस्कार के दौरान जो दृश्य सामने आया वह बेहद भावुक कर देने वाला था। सिर्फ 10 साल का मासूम बेटा गणेश गुप्ता अपनी मां की चिता को काँपते हाथों से मुखाग्नि दे रहा था। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें भर आईं। संस्था के सदस्य भी अपने आंसू नहीं रोक पाए और बेहद नम आंखों के साथ बेहद भावुक माहौल में अंतिम विदाई दी गई। अनोखी सोच संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू ने कहा कि संस्था हमेशा जरूरतमंदों और असहाय लोगों की मदद के लिए तत्पर रहती है। दोनों बच्चों के लालन पालन की ज़िम्मेदारी अब उनके बुढ़े नाना के कंधों पर रह गई जिसे देखते हुए संस्था द्वारा दोनों बच्चों की जिम्मेदारी उठाने और उनकी पढ़ाई-लिखाई तथा अन्य आवश्यक जरूरतों में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। तत्काल रूप से बच्चों को कुछ आवश्यक सामग्री भी प्रदान की गई। अंतिम संस्कार के दौरान संस्था के सदस्य प्रकाश साहू, मोती ताम्रकर,संजू चटर्जी सुनील साहू, अजय ताम्रकर, रूपेश बेहेरा, समित मुंडा, देव साहू, ननकु मुंडा,बिट्टू मिश्रा,गजानंद साहू, निशांत जयसवाल,गोपी साहू,रोहित सिंह,गुड्डू, लाला साहू,सौरभ दास,अजय साहू,नीरज साहू,मनोज अग्रवाल,सत्यम साहू,विकाश, अंशु पाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने नम आंखों से दिवंगत आत्मा को अंतिम विदाई दी।

घर में घुसकर चोरी करने वाले दो आरोपी चंद घंटे में गिरफ्तार

बतौली पुलिस की त्वरित कार्रवाई,नगदी व चांदी के जेवर सहित करीब 15 हजार का सामान बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

थाना बतौली क्षेत्र में घर में घुसकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी राशि और चांदी के जेवर सहित करीब 15 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड और लोहे का डाई भी जप्त किया गया है। पुलिस के अनुसार झरगवां मेनरोड निवासी राजेश गुप्ता ने 7 मार्च को थाना बतौली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि 6 मार्च की शाम करीब 6 बजे वह अपने घर में ताला लगाकर परिवार सहित बाहर गए थे। रात करीब 10 बजे वापस लौटने पर देखा कि घर के सामने चैनल गेट और दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर बेडरूम में पहुंचने पर दो युवक आलमारी तोडक़र नगदी और जेवर निकाल रहे थे। यह देख उन्होंने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर लोगों को मदद के लिए बुलाने की कोशिश की। इसी बीच दोनों आरोपी खिडक़ी के रास्ते निकलकर घर के पीछे का दरवाजा तोडक़र फरार हो गए। बाद में सामान की जांच करने पर एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी बिछिया और नगदी रकम गायब मिली। कुल मशरूका करीब 15 हजार रुपए बताया गया। मामले में थाना बतौली में अपराध क्रमांक 30/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए), 331(4) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल पर डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विवेक मरावी (21 वर्ष) और मुकेश मरावी (20 वर्ष) निवासी देवरी डुमरपारा थाना बतौली बताया। दोनों ने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 8350 रुपए नगद, चांदी की पायल और बिछिया बरामद की। साथ ही चोरी में प्रयुक्त लोहे का रॉड और लोहे का डाई भी जप्त किया गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह तथा आरक्षक जितेश साहू, मनीष सिंह, डॉग स्क्वाड और थाना बतौली के अन्य पुलिसकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

एक घंटे में किडनी व पित्त की थैली का सफल ऑपरेशन,मरीज स्वस्थ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने जटिल ऑपरेशन कर मरीज को राहत दी। जानकारी के अनुसार कुंती यादव (39 वर्ष),निवासी तुंगुरी, सरगुजा के बाएं किडनी में लगभग 2.2 सेमी का बड़ा पथरी था और पित्त की थैली में भी कई पत्थर (लेप्रो कोलेसिस्टेक्टॉमी) पाए गए थे। मरीज पिछले दो वर्षों से पेट दर्द से परेशान थी। बताया गया कि अन्य अस्पताल में उपचार के लिए लगभग एक लाख रुपये का खर्च बताया गया था। इसके बाद मरीज का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने एक साथ दोनों ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। 3 मार्च को करीब एक घंटे के भीतर दोनों ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए और बिना किसी जटिलता (कॉम्प्लिकेशन) के ऑपरेशन पूरा हुआ। वर्तमान में मरीज पोस्ट ऑप वार्ड में भर्ती है और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस सफल ऑपरेशन में डॉ. आरसी आर्य का विशेष सहयोग रहा। टीम में डॉ. पी.आर. शिवहरे, डॉ. मनोज भारती,डॉ. राजू पी.,डॉ. निधिशा शामिल थे। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. पार्थ सारथी पटेल और डॉ. गुंजन ने संभाली। वहीं स्टाफ नर्स रोज सिस्टर सहित पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिले के सभी ग्राम पंचायत में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की भांति इस माह की 7 तारीख को चावल महोत्सव के साथ 'रोजगार दिवस' और 'आवास दिवस' का आयोजन किया गया । इस अवसर योजना से संबधित महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में बताया गया जिसमें प्रमुख रुप से आजीविका डबरी के लाभ के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा आवास की लंबित किश्तें और महात्मा गांधी नरेगा की लंबित मजदूरी भुगतान की राशि की जानकारी ग्रामीणजनों को दी गई तथा युक्तधारा पोर्टल के तहत संतृप्तता आधारित शत प्रतिशत ग्राम पंचायतों की आदर्श प्लानिंग, GAS login अप्रूवल ही VB-G RAM G के क्रियान्वयन की जानकारी दी गई । साथ हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में आज जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम पंचायत अमलभिट्ठी मे रोजगार दिवस के साथ आवास दिवस और आवास चौपाल का भी आयोजन किया गया उनको योजना की जानकारी दी गई साथ में जिनके द्वारा आवास निर्माण कार्य समय मे पूरा किया उनको फल देकर सम्मानित भी किया गयास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के टोल फ्री नंबर 1800-233-1290 की जानकारी भी दी गई,ताकि हितग्राही अपनी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु संपर्क कर सकें। इस अवसर पर जनपद सीईओ,कार्यक्रम अधिकारी,ब्लाक समन्वयक,तकनीकी सहायक,ग्राम पंचायत के सचिव,सरपंच,उप सरपंच, रोजगार सहायक,महिला समूह की दीदी,ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिले में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल....

स्व-सहायता समूहों से सैकड़ों महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे अब केवल चूल्हे-चौके तक सीमित नहीं हैं,बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी बन चुकी हैं। जिले में 'बिहान' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के संगम ने एक ऐसी आर्थिक क्रांति को जन्म दिया है, जिसने ग्रामीण महिलाओं को निर्माण क्षेत्र का बड़ा उद्यमी बना दिया है।

निर्माण क्षेत्र में महिलाओं का दबदबा : सरगुजा जिले में महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा मॉडल उभर कर सामने आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों ने महिलाओं के लिए व्यवसाय के नए द्वार खोले हैं। जिले की 650 से अधिक महिलाएं आज 1000 से ज्यादा सेंट्रिंग प्लेट सेटों का सफल व्यवसाय कर रही हैं। इतना ही नहीं, निर्माण की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए 271 महिलाएं ईंट निर्माण और 24 महिलाएं सीमेंट-छड़ के व्यवसाय में अपनी धाक जमा चुकी हैं।

संघर्ष से स्वावलंबन की बनीं प्रेरणा : लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पडोली की देवराजो दीदी आज सरगुजा की नारी शक्ति का चेहरा बन चुकी हैं। 2016 में एक साधारण गृहणी के रूप में ससुराल आई देवराजो ने आर्थिक तंगी को मात देने के लिए 'एकता स्व-सहायता समूह' का दामन थामा। किराना दुकान से शुरुआत करने वाली देवराजो ने समय की मांग को पहचाना और प्रधानमंत्री आवास योजना के बढ़ते कार्यों को देखते हुए सेंट्रिंग प्लेट रेंटल का काम शुरू किया। आज देवराजो घर बैठे सालाना 2.50 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। वे कहती हैं, सरकार की योजनाओं ने हमें न केवल पैसा दिया, बल्कि समाज में सिर उठाकर जीने का हौसला भी दिया है।

जिले में महिलाएं बन रही हैं 'लखपति दीदी' : जिला प्रशासन के प्रयासों और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में अब तक 319 महिलाएं 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल होकर आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। ये वे महिलाएं हैं जिन्होंने विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों के माध्यम से अपनी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक तक पहुंचाई है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं निर्माण एवं आजीविका आधारित व्यवसायों में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। जिले में 650 से अधिक महिलाएं सेंट्रिंग प्लेट व्यवसाय से जुड़कर निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सामग्री उपलब्ध करा रही हैं, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है।

इसके अलावा 271 महिलाएं ईंट निर्माण व्यवसाय में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार का महत्वपूर्ण साधन बन गया है और इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

इसी प्रकार 12 महिलाओं द्वारा मिक्सर मशीन व्यवसाय का सफल संचालन किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और महिलाओं को निरंतर आय का स्रोत मिल रहा है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सरगुजा जिले की महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही हैं। शासन की योजनाओं और स्व-सहायता समूहों के सहयोग से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

नारी शक्ति को नमन

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने महिला दिवस पर जिले की सभी कर्मठ महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि सरगुजा की महिलाएं आज बदलाव और विकास की नई कहानी लिख रही हैं। सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और महिलाओं की अटूट इच्छाशक्ति ने सरगुजा को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी जिलों में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और आने वाली पीढ़ियां सशक्त होती हैं। सरगुजा की 'लखपति दीदियां' आज विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर रही हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
(रा.)अम्बिकापुर.जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमित कुमार टोप्पो पिता स्तानिसलास टोप्पो जाति उरांव निवासी नवापारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 51/17 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 3/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

छोटे गांव से बड़ी उड़ान....जनकपुर की दर्शना सिंह ने यूपीएससी में हासिल की 383वीं रैंक

सरगुजा की शान बनी दर्शना : यूपीएससी में शानदार सफलता,आईपीएस बनने की प्रबल संभावना

- राशन दुकान संचालक की बेटी ने किया कमालः यूपीएससी में 383 वीं रैंक से बढ़ाया जिले का मान
- आईआईटी से यूपीएससी तक का शानदार सफरः जनकपुर की बेटी दर्शना सिंह ने रचा नया इतिहास
- एमसीबी जिले की बेटी का राष्ट्रीय मंच पर परचमः यूपीएससी में शानदार सफलता से बढ़ा छत्तीसगढ़ का मान
- साधारण परिवार,असाधारण उपलब्धिः भगवानपुर की दर्शना सिंह बनी युवाओं की प्रेरणा

-संवाददाता-
एमसीबी/जनकपुर,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)।। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के छोटे से गांव भगवानपुर की बेटी दर्शना सिंह बघेल ने देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दर्शना ने अपने दूसरे प्रयास में 383 वीं रैंक प्राप्त की है,जिसके साथ ही उनके भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में चयन की प्रबल संभावना जताई जा रही है,दर्शना की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे एमसीबी जिले और सरगुजा संभाग को गौरवान्वित किया है। जैसे ही उनकी सफलता की खबर क्षेत्र में फैली, पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव से लेकर शहर तक लोग इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण मान रहे हैं।

साधारण परिवार की बेटी ने रचा इतिहास

दर्शना सिंह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता अरुण सिंह जनकपुर में राशन दुकान संचालित करते हैं, जबकि उनकी माता सीमा सिंह नगर पंचायत में पार्षद हैं। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी दर्शना ने बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गहरी लगन दिखाई,परिवार की सादगी और माता-पिता के संस्कारों ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया,कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और निरंतर मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।स्थानीय स्कूल से आईआईटी कानपुर तक का सफर- दर्शना की प्रारंभिक शिक्षा जनकपुर के न्यू लाइफ स्कूल और मॉडल स्कूल में हुई। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय देना शुरू कर दिया था,इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, भगवानपुर से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की, इस परीक्षा में उन्होंने डीएवी बोर्ड में छत्तीसगढ़ स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया,उच्च शिक्षा के लिए दर्शना का चयन देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी कानपुर में हुआ, जहां से उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने देश सेवा का सपना लेकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की।

दूसरे प्रयास में मिली सफलता

दर्शना ने कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की। पहले प्रयास से मिले अनुभव को उन्होंने अपनी ताकत बनाया और दूसरे प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए 383वीं रैंक हासिल कर ली,इस रैंक के साथ उनके भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में चयन की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो वे सरगुजा संभाग की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनेंगी।

माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू

बेटी की इस ऐतिहासिक सफलता पर पिता अरुण सिंह भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि दर्शना बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रही है और उसने हमेशा मेहनत और अनुशासन को अपनी ताकत बनाया, उन्होंने कहा,'दर्शना की सफलता ने पूरे सरगुजा संभाग का मान बढ़ाया है। यदि वह आईपीएस बनती है तो यह हमारे लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात होगी।' वहीं उनकी माता सीमा सिंह ने इस सफलता का श्रेय कुलदेवी मां चांग देवी के आशीर्वाद और बेटी की मेहनत को दिया,उन्होंने कहा कि दर्शना ने हर परिस्थिति में धैर्य और दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनी दर्शना

अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए दर्शना सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि उन सभी विद्यार्थियों के लिए एक संदेश है जो छोटे गांवों और कस्बों से आते हैं, उन्होंने कहा अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो छोटे गांव से निकलकर भी देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है, मैं अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और गांव के लोगों के सहयोग को देती हूं, दर्शना ने युवाओं से अपील की कि वे अपने सपनों को छोटा न समझें और पूरी लगन के साथ मेहनत करें।

क्षेत्र में खुशी और गौरव का माहौल

दर्शना की सफलता की खबर मिलते ही एमसीबी जिले और सरगुजा संभाग में खुशी का माहौल बन गया,सोशल मीडिया पर लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं और गांव में भी जश्न जैसा माहौल देखने को मिला,ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा बनेगी।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दी बधाई...

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने फोन पर दर्शना सिंह से चर्चा कर उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की,मंत्री ने कहा कि दर्शना की सफलता जिले के हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं, उन्होंने दर्शना के माता-पिता को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह पूरे एमसीबी जिले के लिए गर्व का क्षण है।

विधायक रेणुका सिंह ने बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

विधायक रेणुका सिंह ने दर्शना की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र से निकलकर यूपीएससी में सफलता प्राप्त करना यह साबित करता है कि ग्रामीण अंचल की बेटियों में अपार प्रतिभा है,उन्होंने कहा कि दर्शना ने न केवल अपने माता-पिता का बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भी दी बधाई...

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने दर्शना की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह भरतपुर-सोनहत विधानसभा और चांग-भखार विकासखंड के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है, उन्होंने कहा कि भगवानपुर की बेटी दर्शना सिंह ने अपनी मेहनत से पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है और उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

तामडाड अंजनी जलाशय में नहर लाइनिंग निर्माण पर सवाल...4.50 करोड़ के काम में घटिया गुणवत्ता के आरोप

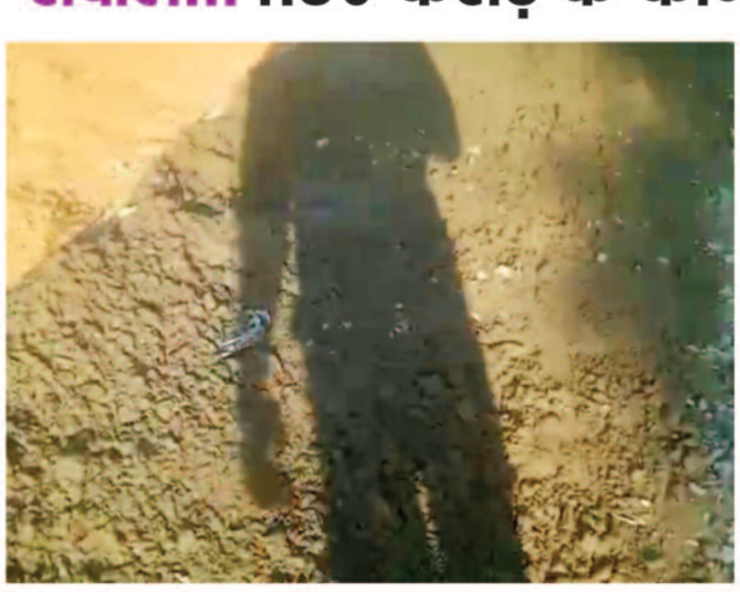

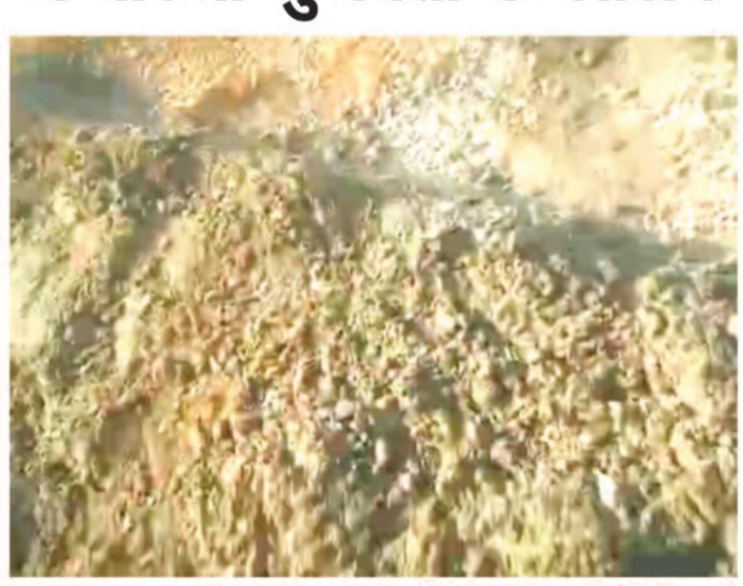

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। तामडाड स्थित अंजनी जलाशय से निकलने वाली नहर के लाइनिंग निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। करीब 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से चल रहे इस निर्माण कार्य में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा और काम घटिया तरीके से कराया जा रहा है,ग्रामीणों के अनुसार नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से काम कराया जा रहा है,जबकि जलसंसाधन विभाग के अधिकारी और इंजीनियर मौके पर कम ही दिखाई देते है,ऐसे में कार्य की गुणवत्ता को लेकर संदेह और गहरा गया है।

गुणवत्ता पर उठे सवाल : स्थानीय लोगों का आरोप है कि नहर लाइनिंग के निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य में बिना ब्रांडेड सीमेंट और अन्य निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है,इसके साथ ही निर्माण में अपनाए जाने वाले तकनीकी मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा है,नहर की बेसमेंट ढलाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, जानकारी के अनुसार जहां विभागीय इस्टीमेट में बेसमेंट और साइड बेस की मोटाई 8 इंच निर्धारित है,वहीं मौके पर करीब 6 इंच मोटाई की ढलाई किए जाने की बात सामने आ रही है।

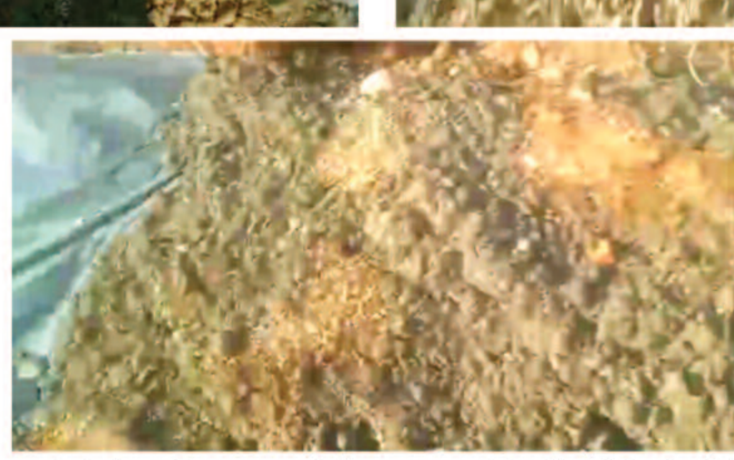

बिना सूचना पटल के चल रहा निर्माण : ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का सूचना पटल या बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। आम तौर पर ऐसे निर्माण कार्यों में लागत, कार्य की अवधि, ठेकेदार का नाम और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की जाती है,ताकि स्थानीय लोगों को भी परियोजना की जानकारी मिल सके,लेकिन इस निर्माण स्थल पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है,जिससे ग्रामीणों में संदेह और बढ़ गया है।

ठेकेदार के इंजीनियर ने भी बताई खामियां : ग्रामीणों के मुताबिक जब निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठाए गए तो ठेकेदार के इंजीनियर ने खुद यह स्वीकार किया कि बेसमेंट की ढलाई करीब 6 इंच की की गई है, उन्होंने यह भी कहा कि इतनी मोटाई में वाइब्रेटर चलाना संभव नहीं है,जबकि तकनीकी मानकों के अनुसार ढलाई के दौरान वाइब्रेटर का उपयोग जरूरी माना जाता है, ताकि कंक्रीट में मजबूती बनी रहे,यह स्थिति खुद इस बात की ओर इशारा करती है कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी कई जलाशयों में नहर लाइनिंग का निर्माण कराया गया था,लेकिन गुणवत्ता ठीक नहीं होने के कारण बाद में उन निर्माण कार्यों को उखाड़कर दोबारा बनाना पड़ा था,ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरुआत में ही गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया तो फिर से करोड़ों रुपये खर्च कर निर्माण दोहराने की नौबत आ सकती है।

जांच की उठी मांग...

ग्रामीणों और क्षेत्र के लोगों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यह कार्य जनता के टैक्स के पैसे से किया जा रहा है,इसलिए निर्माण में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होना जरूरी है।

विभागीय अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाया

इस संबंध में जब जलसंसाधन विभाग के इंजीनियर से फोन पर संपर्क कर जानकारी लेने का प्रयास किया गया,तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया,अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या विभाग इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच करेगा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा कराएगा।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के एमसीबी जिला संयोजक गोपाल सिंह का निधन,मनेंद्रगढ़ में दी गई श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के एमसीबी जिला संयोजक एवं शिक्षा जगत के समर्पित व्यक्तित्व स्वर्गीय गोपाल सिंह के निधन से जिले के कर्मचारी और शिक्षक समुदाय में शोक की लहर फैल गई है। लंबी बीमारी (कैंसर) से जूझने के बाद उनका शनिवार, 28 फरवरी 2026 को निधन हो गया। उनके निधन को कर्मचारी जगत के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। स्वर्गीय गोपाल सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा में व्यायाम शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। वे एक कुशल शिक्षक होने के साथ-साथ कर्मचारी हितों के लिए संघर्ष करने वाले कर्मठ और सक्रिय नेता के रूप में भी जाने जाते थे। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के एमसीबी जिला संयोजक के रूप में उन्होंने कर्मचारियों और शिक्षकों को संगठित करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए।

मनेंद्रगढ़ में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

स्वर्गीय गोपाल सिंह की स्मृति में शनिवार, 7 मार्च 2026 को मनेंद्रगढ़ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,पानी की टंकी के सामने आयोजित की गई,जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में अधिकारी,कर्मचारी, शिक्षक और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला सहसंयोजक गोपाल प्रसाद बुनकर ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई संगठनों के पदाधिकारी रहे उपस्थित

श्रद्धांजलि सभा में कोरिया जिले के फेडरेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इनमें जिला संयोजक डॉ. आर.एस. चंदे, संरक्षक शंकर सुवन मिश्रा,राजेंद्र सिंह दद्दा,जिला महासचिव विश्वास भगत तथा वाहन चालक संघ के जिला अध्यक्ष जमुना राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी और शिक्षक शामिल हुए, उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय गोपाल सिंह के व्यक्तित्व और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि वे हमेशा कर्मचारियों के अधिकारों के लिए खड़े रहने वाले सजग और समर्पित नेता थे। उनके निधन से कर्मचारी जगत ने एक अनुभवी और संघर्षशील साथी को खो दिया है।

अपूरणीय क्षति बताया

फेडरेशन के साथियों और उपस्थित पदाधिकारियों ने उनके निधन को कर्मचारी जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति दें।

खरीदी केंद्र में रात का 'पानी ऑपरेशन'! वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से एक वीडियो वायरल हो रहा है,जिसने धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं,वायरल वीडियो में रात के अंधेरे में खुले में रखे धान के ढेर पर पानी डाला जाता दिखाई दे रहा है,हालांकि वीडियो काफी अंधेरे में बनाया गया है,जिससे दृश्य पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है,लेकिन जो कुछ भी दिखाई दे रहा है उसने लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के आसपास स्थित किसी धान खरीदी केंद्र का हो सकता है, स्थानीय लोगों के अनुसार यह वीडियो उस क्षेत्र में रहने वाले किसी व्यक्ति ने रात के समय बनाया है, वीडियो के वायरल होने के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि आखिर रात के अंधेरे में धान को पानी से भिगोने की जरूरत क्यों पड़ी।

रात में धान भिगोने की क्या है वजह?

धान खरीदी केंद्रों में आम तौर पर किसानों से खरीदे गए धान को खुले मैदान या अस्थायी गोदामों में रखा जाता है,ऐसे में रात के समय किसी व्यक्ति द्वारा धान के ढेर पर पानी डालने का दृश्य सामने आने से संदेह और भी गहरा हो गया है। लोगों के बीच इस घटना को लेकर दो प्रमुख संभावनाओं पर चर्चा हो रही है...

पहली संभावना : वजन बढ़ाने का खेल

कुछ लोगों का मानना है कि धान पर पानी डालकर उसका वजन बढ़ाने की कोशिश की जाती है,धान जब पानी सोख लेता है तो उसका कुल वजन बढ़ जाता है,जिससे तौल में ज्यादा मात्रा दिखाई दे सकती है।

दूसरी संभावना : शॉर्टेज छुपाने का तरीका

दूसरी चर्चा यह भी है कि यदि खरीदी केंद्र में धान के स्टॉक में कमी या शॉर्टेज हो जाए,तो उसे कागजों में संतुलित दिखाने के लिए इस तरह के तरीके अपनाए जाते हैं,हालांकि इन दोनों ही संभावनाओं की अभी तक किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वीडियो किस केंद्र का है,यह भी स्पष्ट नहीं

वायरल वीडियो को लेकर एक और बड़ा सवाल यह है कि यह आखिर किस धान खरीदी केंद्र का है,चूंकि वीडियो रात के समय और अंधेरे में बनाया गया है,इसलिए स्थान की स्पष्ट पहचान नहीं हो पा रही है,हालांकि स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यह वीडियो बैकुंठपुर के आसपास संचालित किसी खरीदी केंद्र का हो सकता है,यदि यह दावा सही साबित होता है तो यह मामला जिले की धान खरीदी व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकता है।

रात के अंधेरे में धान पर पानी! कोरिया के खरीदी केंद्र से वायरल वीडियो ने खड़े किए बड़े सवाल

धान खरीदी में नया खेल? रात में धान भिगोने का वीडियो वायरल,जांच की मांग तेज...

वजन बढ़ाने का खेल या शॉर्टेज छुपाने की चाल? धान खरीदी केंद्र का संदिग्ध वीडियो वायरल

रात में धान पर पानी डालते दिखे लोग,कोरिया जिले की खरीदी व्यवस्था पर उठे सवाल...

धान खरीदी केंद्र में 'पानी का खेल'! वायरल वीडियो ने खोली अनियमितताओं की पोल?

अंधेरे में धान भिगोने का वीडियो वायरल,आखिर किस खरीदी केंद्र में चल रहा था यह खेल?

धान का वजन बढ़ाने की तरकीब? रात में पानी डालते दिखे लोग,प्रशासन से जवाब की मांग...

धान पर पानी और सवालों की बारिशः वायरल वीडियो से खरीदी व्यवस्था पर संदेह...

धान खरीदी व्यवस्था पर पहले भी उठते रहे हैं सवाल

यह पहली बार नहीं है जब धान खरीदी व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हों, हर साल खरीदी के दौरान तौल,भंडारण,परिवहन और स्टॉक में अंतर जैसी शिकायतें सामने आती रहती हैं,ऐसे में इस तरह का वीडियो सामने आना व्यवस्था की पारदर्शिता पर और भी संदेह पैदा करता है।

जांच की मांग तेज

वीडियो वायरल होने के बाद अब लोगों के बीच यह मांग उठने लगी है कि प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कराए,लोगों का कहना है कि यदि किसी खरीदी केंद्र में धान के साथ इस तरह की छेड़छाड़ की जा रही है तो यह न केवल सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है बल्कि किसानों के हितों के साथ भी खिलवाड़ हो सकता है,लोगों का यह भी कहना है कि प्रशासन को चाहिए कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जाए,यह पता लगाया जाए कि वीडियो किस धान खरीदी केंद्र का है,वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की भी पहचान की जाए,और यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों या समिति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार

फिलहाल इस वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन यह मामला चर्चा का विषय जरूर बन गया है,अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और संबंधित विभागों पर टिकी हुई हैं कि वे इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच के बाद सच्चाई क्या सामने आती है,अगर वीडियो सही साबित होता है तो यह धान खरीदी प्रणाली में गंभीर अनियमितता का मामला बन सकता है,जबकि यदि वीडियो भ्रामक निकला तो प्रशासन को भी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी की अध्यक्षता में बैठक, जिला शतरंज संघ के गठन का निर्णय

जिले में शतरंज को नई दिशा देने की पहल, जल्द होगी ओपन शतरंज प्रतियोगिता

-संवाददाता-

चिरमिरी,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। नवगठित जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में शतरंज खेल को बढ़ावा देने और प्रतिभावान खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी उद्देश्य से चिरमिरी के हल्दीबाड़ी स्थित होटल मातृछाया में अंचल के वरिष्ठ शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथ मनियम (बिच्छू भैया) की विशेष उपस्थिति तथा चिरमिरी के पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,बैठक में नगर के वरिष्ठ खिलाड़ियों,खेलप्रेमियों तथा शतरंज के प्रति रुचि रखने वाले युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चर्चा के दौरान सर्वसम्मति से एमसीबी जिला शतरंज संघ के गठन का निर्णय लिया गया, ताकि जिले में शतरंज खेल को संगठित रूप से बढ़ावा दिया जा सके।

प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

बैठक में यह तय किया गया कि नवगठित जिला शतरंज संघ का मुख्य उद्देश्य जिले के विभिन्न क्षेत्रों से शतरंज के जानकारों और खिलाड़ियों को जोड़ना तथा क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराना होगा,संघ के माध्यम से नियमित रूप से प्रशिक्षण शिविर,मार्गदर्शन सत्र तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल सके।

जल्द होगी ओपन शतरंज प्रतियोगिता

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जल्द ही नगर स्तर पर एक ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे,आयोजन समिति का उद्देश्य इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें राज्य व राष्टीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

शतरंज मानसिक विकास का माध्यम

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ खिलाड़ी मंतोष गांगुली और अमित विश्वास ने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं बल्कि धैर्य,रणनीति और मानसिक विकास का सशक्त माध्यम है,उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से चिरमिरी सहित पूरे एमसीबी जिले में शतरंज गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी, उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय से जिले में शतरंज को संगठित रूप देने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी,जिसे अब इस पहल के माध्यम से मूर्त रूप दिया जा रहा है।

युवाओं से सहभागिता की अपील

आयोजन समिति ने जिले के युवाओं,अभिभावकों और खेलप्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें और शतरंज जैसे बौद्धिक खेलों को बढ़ावा दें, इससे युवाओं में धैर्य, एकाग्रता और निर्णय क्षमता का विकास होगा।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

बैठक में वरिष्ठ खिलाड़ी विश्वनाथ मनियम (बिच्छू भैया),पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी,पूर्व सभापति श्रीमती गायत्री बिरहा,मंतोष गांगुली,अमित विश्वास, राणा दास,पार्षद राहुल भाई पटेल,श्रीमती नीता डे,रवि बिरहा,प्रदीप प्रजापति,विश्वजीत दासगुप्ता,शुभम सालूजा,इसरार मोहम्मद,राजा रोहिदास सहित कई खेलप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे।

सोनहत थाने में बिखरे होली के रंग, पुलिस और जनता के बीच बढ़ी नजदीकी

होली मिलन समारोह में दिखा पुलिस का संवेदनशील चेहरा,'कम्युनिटी पुलिसिंग' के पहल की हुई सराहना

-संवाददाता

सोनहत,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर सोनहत थाने में एक अनोखा और आत्मीय माहौल देखने को मिला। शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस इस बार जनता के साथ रंगों के उत्सव में भी शामिल होती नजर आई। थाना परिसर में आयोजित होली मिलन समारोह में पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों ने एक साथ मिलकर गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं, इस आयोजन ने पुलिस और जनता के बीच भरोसे और आत्मीयता के रिश्ते को और मजबूत किया, जिसकी पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

पहली बार हुआ इतना भव्य आयोजन

स्थानीय ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनहत थाने में पहली बार इस तरह का भव्य और व्यवस्थित होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे,सभी ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर होली खेली और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं, लोगों का कहना था कि इस प्रकार के आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच की दूरी कम होती है और आपसी विश्वास मजबूत होता है।

थाना प्रभारी और स्टाफ ने दी शुभकामनाएं...

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी सोनहत और सब-इंस्पेक्टर राठिया ने थाना स्टाफ, गणमान्य नागरिकों और ग्रामीणों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं,थाना परिसर में फागुनी बयार के साथ रंगों की खुशबू फैल गई और पूरा माहौल भाईचारे के रंग में रंगा नजर आया,पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के हर सुख-दुख में जनता के साथ खड़े रहना भी है, उन्होंने सभी को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने का संदेश दिया।

सामुदायिक पुलिसिंग का अनूठा उदाहरण

यह आयोजन केवल एक उत्सव तक सीमित नहीं रहा,बल्कि कम्युनिटी पुलिसिंग (सामुदायिक पुलिसिंग) का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया,पुलिस और जनता के बीच बने इस सौहार्दपूर्ण माहौल ने समाज में शांति, सहयोग और भाईचारे का मजबूत संदेश दिया, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब पुलिस और समाज एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तब क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता दोनों मजबूत होती हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0........../अ- 6 /2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फरीद खान पिता रज्जब खान, उम्र 63 वर्ष, निवासी मोमिनपारा जयनगर, जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 08 मोहल्ला इमलीपारा स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2967 / 1. 2972/1 2972 / 2 रकबा क्रमशः 0.002, 0.004, 0.012 हे0 भूमि है। आवेदक की पुत्री सहखातेदार अफसाना साहीन की मृत्यु दिनांक 10.12.2022 को हो गई है जिस कारण उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूखण्ड का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 23/03/ 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा अप्रति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/2/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील)

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 / /अ-20 (3) / 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशांतो कुमार बनर्जी आ0 स्व0 दिलीप कुमार बनर्जी जाति ब्राम्हण, निवासी हाउस नं0 11 पार्क सिटी कॉलोनी, ओडिसा रोड़ कंबीर चौक के पास रायगढ़, श्रीमती सुनन्दा आ0 स्व0 दिलीप कुमार बनर्जी जाति ब्राम्हण, निवासी मोहल्ला- सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला की ओर से मुख्तारआम- दीपक भट्टाचार्जी आ0 श्री स्व0 धर्मवत सरगुजा छ0ग0 भट्टाचार्जी, जाति ब्राम्हण निवासी मोहल्ला - नमनाकला, अम्बिकापुर के द्वारा उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर -09 मोहल्ला - बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3405/1 रकबा 2395.80 वर्गफीट भूमि / मकान स्थित है, को अनावेदक/केता श्रीमती पल्लवी वर्मा पति श्री सच्चिदानंद कांत, जाति कुर्मी, निवासी गंगाजल मिसदा, थानाव तहसील नवागढ़, जिला जांजगीर चांपा, छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारत आ. नामिक साय, जाति गोड़, निवासी ग्राम परसा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम परसा स्थित भूमि कुल खसरा न0 22 कुल रकबा 4.185 हे0 भूमि का अनावेदक पवन आ0 घासी व अन्य, निवासी ग्राम परसा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/3/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 26/2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

सोनहत में 'एकलव्य' के नाम पर खेल!

करोड़ों की परियोजना में नियमों का कत्लेआम

केंद्र का प्रोजेक्ट या भ्रष्टाचार का लाइसेंस? सोनहत में नियमों को खुली चुनौती...

केंद्र की आड़ में भ्रष्टाचार? एकलव्य विद्यालय निर्माण में घटिया काम,अवैध रेत और पेड़ों की कटाई के आरोप...

शिक्षा के मंदिर की नींव में गड़बड़ी! सोनहत का एकलव्य प्रोजेक्ट गंभीर सवालों के घेरे में...

साल के पेड़ कटे,लकड़ियाँ गायब,रेत अवैध – सोनहत का एकलव्य प्रोजेक्ट सवालों के घेरे में...

करोड़ों की परियोजना पर भ्रष्टाचार की छाया, सोनहत में एकलव्य विद्यालय निर्माण पर उठे बड़े सवाल...

मिट्टी मिली रेत,घटिया मसाला और मजदूरों का शोषण–एकलव्य निर्माण में बड़ा खेल?

आदिवासी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़? सोनहत में शिक्षा परियोजना पर भ्रष्टाचार के आरोप...

विकास की आड़ में जंगल पर वार! एकलव्य विद्यालय निर्माण में पर्यावरण और नियमों की अनदेखी...

केंद्र का काम है, राज्य कुछ नहीं कर सकता – सोनहत में इंजीनियरों की दबंगई पर उठे सवाल...

सोनहत में 'एकलव्य' निर्माण पर सवालों का अंबार: केंद्र की आड़ में नियम-कायदों की अनदेखी, गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण तक सब कुछ कटघरे में...

निर्माण स्थल पर काटे गए साल के वृक्ष

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। आदिवासी अंचल के बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई जा रही एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परियोजना इन दिनों गंभीर विवादों में घिरती नजर आ रही है,करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस विद्यालय के निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और जानकारों ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं,आरोप है कि निर्माण में गुणवत्ता से समझौता,पर्यावरण को क्षति, श्रम कानूनों की अनदेखी और खनिज नियमों का उल्लंघन जैसे कई मामले सामने आ रहे हैं,सबसे हैरान करने वाली बात यह बताई जा रही है कि इस परियोजना को केंद्र सरकार की एजेंसी के माध्यम से संचालित बताया जा रहा है और इसी का हवाला देकर स्थानीय प्रशासन और विभागीय अधिकारियों को हस्तक्षेप से रोका जा रहा है, इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या केंद्र की परियोजना होने का मतलब स्थानीय कानूनों और नियमों से ऊपर हो जाना है।

दो रंग का मसाला, गिट्टी में भी मिट्टी के साथ डस्ट मिला हुआ

गुणवत्ता विहीन स्लैब

पर्यावरण को नुकसान : साल के पेड़ों की कटाई

निर्माण स्थल के आसपास पर्यावरण को हुए नुकसान को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं, ग्रामीणों के अनुसार परिसर में मौजूद कई पुराने और बड़े साल के पेड़ों को मशीनों के माध्यम से काट दिया गया, यह भी कहा जा रहा है कि पेड़ों की कटाई के बाद उनकी लकड़ियां मौके से गायब हो गई, अब सवाल यह उठता है कि क्या इन पेड़ों को काटने के लिए वन विभाग से अनुमति ली गई थी? यदि अनुमति ली गई थी तो उसका रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? नियमों के अनुसार सरकारी भूमि पर कटे हुए पेड़ों की लकड़ियों को वन विभाग के डिपो में जमा कराया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ है तो यह एक गंभीर मामला हो सकता है।

अवैध रेत उत्खनन का आरोप...

विद्यालय निर्माण में उपयोग की जा रही रेत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं,स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर पहुंचने वाली रेत का बड़ा हिस्सा आसपास के नदी-नालों से अवैध रूप से निकाला जा रहा है,बताया जा रहा है कि रेत के परिवहन के लिए वैध रॉयल्टी पर्ची या अनुमति का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं दिख रहा। इसके अलावा निर्माण स्थल पर भारी मात्रा में रेत का भंडारण भी किया गया है, जिसके लिए खनिज विभाग से अनुमति लेना आवश्यक होता है, यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह खनिज अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा और शासन के राजस्व को भी नुकसान पहुंच सकता है।

जांच की मांग...

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, उनका कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए,अब देखना यह होगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग इन आरोपों को किस तरह लेते हैं और क्या इस मामले में कोई जांच या कार्रवाई होती है या नहीं।

मजदूरों के साथ भेदभाव के आरोप...

निर्माण स्थल पर कार्यरत मजदूरों के साथ व्यवहार को लेकर भी कई सवाल उठे हैं, सूत्रों के अनुसार पुरुष और महिला मजदूरों के बीच मजदूरी में अंतर बताया जा रहा है, कहा जा रहा है कि दोनों समान कार्य करने के बावजूद महिला मजदूरों को कम भुगतान किया जा रहा है। श्रम कानूनों के अनुसार समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है, इसलिए यदि ऐसा हो रहा है तो यह नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है।

जिम्मेदार विभागों की भूमिका पर सवाल...

इस पूरे मामले में कई विभागों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, वन विभाग, खनिज विभाग,श्रम विभाग, स्थानीय प्रशासन यदि इतने बड़े निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी हो रही है,तो क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं है? या फिर किसी कारणवश इन मामलों को नजरअंदाज किया जा रहा है? स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े प्रोजेक्ट में पारदर्शिता और निगरानी होना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अनियमितता सामने न आए।

बच्चों के भविष्य से जुड़ा है मामला...

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक परियोजना है,इसका उद्देश्य दूरदराज के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर आवासीय सुविधाएं प्रदान करना है,लेकिन यदि इस परियोजना में निर्माण गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण और श्रम नियमों तक की अनदेखी हो रही है,तो यह न केवल सरकारी धन की बर्बादी होगी बल्कि उन बच्चों के भविष्य पर भी असर पड़ सकता है जिनके लिए यह विद्यालय बनाया जा रहा है।

केंद्र की ओट में नियमों की अनदेखी?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर जब भी गुणवत्ता या नियमों के पालन को लेकर सवाल उठाए जाते हैं,तो वहां मौजूद इंजीनियरों और ठेकेदार के प्रतिनिधियों का जवाब लगभग एक जैसा होता है, बताया जाता है कि उनका कहना है कि यह केंद्र सरकार की परियोजना है, इसलिए राज्य के अधिकारियों का इसमें कोई दखल नहीं हो सकता, यह कथित बयान कई सवाल खड़े करता है,यदि यह परियोजना केंद्र सरकार की है, तब भी क्या स्थानीय खनिज,वन और श्रम कानून लागू नहीं होंगे? क्या राज्य के अधिकारी किसी भी प्रकार की जांच या निरीक्षण करने के लिए अधिकृत नहीं हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे परियोजना किसी भी सरकार की हो,लेकिन जिस राज्य की भूमि पर वह कार्य हो रहा है वहां के कानूनों का पालन करना अनिवार्य होता है।

निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर आरोप...

स्थानीय लोगों और निर्माण कार्य पर नजर रखने वाले कुछ जानकारों का कहना है कि विद्यालय निर्माण में गुणवत्ता के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है,आरोप है कि निर्माण में उपयोग की जा रही रेत में मिट्टी की मात्रा अधिक है और सीमेंट का अनुपात भी निर्धारित मानकों से कम बताया जा रहा है,बताया जा रहा है कि मसाले की गुणवत्ता को लेकर कई बार मजदूरों और स्थानीय लोगों ने भी चिंता व्यक्त की है। करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन में यदि शुरुआती स्तर पर ही घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, तो भविष्य में भवन की मजबूती और सुरक्षा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है,लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी जांच नहीं की गई तो आने वाले समय में यह भवन छात्रों की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन सकता है।

कटगोड़ी में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह,फाग प्रतियोगिता में गायकों ने बांधा समां

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की रही बड़ी भागीदारी

इस आयोजन में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजा राम राजवाड़े,जिला महामंत्री मानोज साहू,जनपद सदस्य सोनिया राजवाड़े, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, इसके अलावा क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण भी कार्यक्रम में शामिल हुए और रंगों के इस पर्व का आनंद लिया।

फागुन की मस्ती में सराबोर हुआ कटगोड़ी

पूरे कार्यक्रम के दौरान ढोलक-मंजीरों की थाप, फाग गीतों की गूंज और गुलाल की उड़ती बौछार ने वातावरण को पूरी तरह फागुनी रंग में रंग दिया, होली मिलन समारोह ने क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

-संवाददाता-

सोनहत/कटगोड़ी,07 मार्च 2026 (घटती-घटना)। विकासखंड के कटगोड़ी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल द्वारा होली के पावन अवसर पर भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित पारंपरिक फाग प्रतियोगिता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही,जिसमें स्थानीय फाग मंडलियों और गायकों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से पूरे माहौल को फागुनी रंग में रंग दिया। ढोलक और मंजीरों की थाप पर गूंजते फाग गीतों ने उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया,कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता,जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

विजेताओं पर हुई पुरस्कारों की बौछार

फाग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली मंडलियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कलाकारों ने पारंपरिक होली गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली टीमों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार (विजेता टीम)-5,100 नकद राशि

द्वितीय पुरस्कार (उपविजेता टीम)- 2,100 नकद राशि

तृतीय पुरस्कार -1,100 नकद राशि पुरस्कार

वितरण के दौरान कलाकारों का उत्साह देखने लायक था और दर्शकों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया।

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी और जनपद अध्यक्ष आशा देवी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया,इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजा राम राजवाड़े और जिला महामंत्री मानोज साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने उपस्थित कार्यकर्ताओं,ग्रामीणों और पत्रकारों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

लोक संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम

जनपद अध्यक्ष आशा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम,भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है,उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन हमारी लोक परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखने का कार्य करते हैं, वहीं जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी ने फाग गायकों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए सभी को होली की बधाई दी और क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की,उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को भी गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं।

CMYK

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रायपुर में 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम में लखपती दीदियों से किया आत्मीय संवाद

छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भरता और नवाचार से बना रहीं नई पहचान : सीएम साय

रायपुर,07 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता, मेहनत और नवाचार के बल पर नई पहचान बना रही हैं और हमारी सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई स्व-सहायता समूह की हजारों महिलाएं और लखपति दीदियां उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम विजय शर्मा,मंत्री टंकराम वर्मा,गुरु खुशवंत साहेब, लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सुनील सोनी समेत बड़ी तादाद में महिलाएं मौजूद थी। कार्यक्रम के दौरान इनक्यूबेशन परियोजना का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया। इस परियोजना का उद्देश्य सूक्ष्म और लघु उद्योगों की मदद करना है। तीन साल की परियोजना की लागत 10 करोड़ 70 लाख रखी गई है। कार्यक्रम में दो संभाग स्तरीय ईपीओ और एक राज्य स्तरीय लाइव स्टॉक मार्केटिंग फेडरेशन का भी शुभारंभ किया गया। इसके जरिए महिला किसानों को बकरी पालन वैल्यू चैन के विभिन्न चरणों में शामिल करके उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बस्तर की बेटी राजकुमारी कश्यप ने सीएम से सीधा संवाद करते हुए संघर्ष से सफलता की अपनी कहानी सुनाई। मंच पर पहुंचकर राजकुमारी कश्यप ने कहा...'मैं बस्तर की बेटी हूं,जहां कभी नक्सल का गढ़ हुआ करता था, उस समय बाइक से निकलने में भी डर लगता था, मैं घर से बाहर तक नहीं निकलती थी। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी बदली। राजकुमारी ने बताया कि पहले वे किसी समूह से जुड़ी नहीं थी और कुछ भी नहीं जानती थी, लेकिन मुर्गी पालन से अपने व्यवसाय की शुरुआत की।

आज वे हर महीने 35 से 40 हजार रुपये तक की कमाई कर रही हैं। इसी कमाई से उन्होंने अपने बेटे के लिए ट्रैक्टर भी खरीदा है। राजकुमारी कश्यप ने बताया कि आज मैं लखपति बन चुकी हूं,आने वाले दिनों में करोड़पति बनने का सपना है।

लखपति दीदियों को करोड़पति बनाने दी जाएगी ट्रेनिंग : सीएम

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पहली बार इस तरह का कार्यक्रम हुआ। पूरे प्रदेश की लखपति दीदियों की उपस्थिति देखी गई। लखपति दीदियों ने अपनी सफलता की कहानी भी सुनाई, उन्हें बहुत-बहुत बधाई। पूरे प्रदेश की माता-बहनों को उनसे प्रेरणा मिलेगी।

माता बहनों के साथ खड़ी है सरकार

सीएम ने कहा, सरकार माता बहनों के साथ खड़ी है। आगे भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से बकरी पालन क्लस्टर योजना का शुभारंभ हुआ है। आईआईएम रायपुर के साथ सरकार ने एमओयू भी किया है, जिसके तहत अब लखपति दीदियों को करोड़पति बनाने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि पूरे गांव की दीदियां लखपति हो गईं तो उस गांव को लखपति घोषित करने की योजना है।

छत्तीसगढ़ कला किताब और कॉफी टेबल बुक का हुआ विमोचन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'कॉफी टेबल बुक' किताब का भी विमोचन किया। लखपति दीदियों की सफलता की कहानी इस किताब में मौजूद है। इसके अलावा 'छत्तीसगढ़ कला' किताब का भी विमोचन मुख्यमंत्री ने किया। इस किताब में दीदियों के उत्पादों को बाजार में किस क्रम द्वारा लाया जाता है, इसका जिक्र किया गया है। इंक्यूबेशन परियोजना के शुभारंभ के साथ लखपति दीदियों का सम्मान भी मुख्यमंत्री ने किया। इसके साथ ही लखपति दीदी ग्राम पोर्टल का भी अनावरण किया गया।

विकसित छत्तीसगढ़ में लखपति दीदियों का अहम योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक बेटी शिक्षित होती है तो दो घर को आबाद करती है। इस योजना की शुरूआत के लिए सीएम ने पीएम मोदी को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ में लखपति दीदियों का अहम योगदान है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आपके साथ है। महतारी वंदन योजना के तहत हर माह 1 हजार रुपए दीदियों के खाते में भेजे जाते हैं।

7.88 करोड़ की अफीम उगाने वाले बीपेपी नेता गिरफ्तार

पार्टी ने सस्पेंड किया,भूपेश बघेल बोले... कौन मंत्री विधायक शामिल सरकार बताए

दुर्ग-भिलाई,07 मार्च 2026। दुर्ग जिले के समोदा गांव में अफीम की खेती करने वाले भाजपा नेता विनायक ताम्रकर समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विनायक ताम्रकर ने अपने खेत में डेढ़ एकड़ में अफीम की खेती की थी। जिसकी कीमत करीब 7.88 करोड़ है। अफीम उगाने की जानकारी मिलने पर 6 मार्च को पुलिस ने रेड मारी थी। मामला सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें अगले ही दिन सस्पेंड कर दिया। 7 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी उस खेत पहुंचे, जहां अफीम की खेती की गई थी। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा नेता का फार्महाउस करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें चारागाह की भूमि भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी का सांसद, विधायक और कलेक्टर के साथ उठना बैठना है, जिसके चलते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की। उन्होंने सवाल पूछा है कि इस अवैध खेती में कौन कौन मंत्री विधायक शामिल था, सरकार बताए।

ग्रामीणों-पुलिसकर्मियों में झूमाझटकी

इस दौरान वहां भारी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग भी खेत में पहुंच गए। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की,तो झूमाझटकी हो गई। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। बता दें कि पुलिस को अफीम की सूचना मिलने के बाद 6 मार्च को खेत में रेड की गई,जिसमें करीब डेढ़ एकड़ में अफीम के पौधे मिले हैं। मामला समोदा गांव का है,जहां भाजपा किसान मोर्चा के नेताओं के खेत में चोरी-छिपे अफीम की खेती की जा रही थी। इस पर भाजपा नेता विनायक का कहना है कि उन्हें अफीम की खेती की कोई जानकारी नहीं थी और जमीन अधिया (आधी फसल) पर दी गई थी।

जिस जमीन में अफीम की खेती वो मेरी नहीं : विनायक ताम्रकर

भाजपा नेता विनायक ताम्रकर ने कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताया है। उनके मुताबिक जिस जमीन को लेकर मामला बनाया जा रहा है,वह उनकी नहीं है और उनकी असली जमीन समोदा गांव में है। उनका नाम बिना वजह उछाला जा रहा है। उन्होंने समोदा के सरपंच अरुण गौतम पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि सरपंच ने आपराधिक छवि छिपाने के लिए गलत तरीके से नामांकन भरा था,जिसकी शिकायत उन्होंने पहले एसडीएम कार्यालय में की थी। ताम्रकर ने यह भी बताया कि दस साल पहले उनकी पत्नी सरपंच थी और उस समय रेत रॉयल्टी के 23 लाख रुपये के गबन का मामला सामने आया था। जिस पर कार्रवाई के बाद 23 लाख की रिकवरी हुई और उन्हें छह साल के लिए सस्पेंड किया गया था। उनका कहना है कि इसी पुरानी शिकायत और व्यक्तिगत द्वेष के कारण उनके खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है।

आईडीबीआई बैंक के दो कर्मचारी गिरफ्तार...ग्राहकों के 55 लाख से अधिक का गबन

रायपुर,07 मार्च 2026। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने बैंक में जमा ग्राहकों की रकम का गबन करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आईडीबीआई बैंक शाखा चरौदा के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अलग-अलग मामलों में ग्राहकों की लाखों रुपये की जमा राशि का दुरुपयोग करते हुए धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पहले मामले में प्रार्थी नरेंद्र वर्मा ने थाना धरसींवा में शिकायत दर्ज कराई कि उनका और उनकी पत्नी मनीषा वर्मा का खाता आईडीबीआई बैंक शाखा चरौदा में है। दोनों खातों में कुल 40 लाख रुपये जमा थे, जिन्हें फिक्स डिपॉजिट कराने के उद्देश्य से उन्होंने बैंक कर्मचारी राजा खुंटे से संपर्क किया था। राजा खुंटे ने फिक्स डिपॉजिट खोलने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड की प्रतिलिपि और ब्लैंक चेक की मांग की। प्रार्थी ने विश्वास करते हुए दो ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर कर उसे सौंप दिए। आरोपी ने फिक्स डिपॉजिट खाता खोलने की पावती भी दी, जिससे दंपत्ति को किसी प्रकार का संदेह नहीं हुआ। वर्ष 2023 में प्रार्थी नरेंद्र वर्मा ने अपने खाते में 20 लाख रुपये और अपनी पत्नी मनीषा वर्मा के खाते में 20 लाख रुपये जमा कर कुल 40 लाख रुपये फिक्स डिपॉजिट कराने के लिए राजा खुंटे को दिए थे। 2 मार्च 2026 को जब प्रार्थी को निजी कार्य के लिए पैसों की जरूरत पड़ी तो उन्होंने आरोपी राजा खुंटे से फिक्स डिपॉजिट तोड़ने के लिए संपर्क किया। इस दौरान आरोपी ने बताया कि पैसे का हेरफेर हो गया है और रकम उपलब्ध नहीं है। यह सुनकर प्रार्थी और उनकी पत्नी बैंक पहुंचे और खाते की जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ में महिला आयोग की बड़ी पहल...प्रदेश के सभी 5 संभागों में मनाया जाएगा महा जनसुनवाई सप्ताह,33 जिलों के मामलों की होगी सुनवाई

रायपुर,07 मार्च 2026। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने प्रदेशभर की महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए विशेष पहल शुरू की है। आयोग 8 से 13 मार्च 2026 तक राज्य के सभी पांच संभागों में महा जनसुनवाई सप्ताह आयोजित करेगा। इस दौरान प्रदेश के 33 जिलों से जुड़े महिला उत्पीड़न,घरेलू विवाद और पारिवारिक मामलों की सुनवाई संभाग स्तर पर की जाएगी। आयोग को उम्मीद है कि इस अभियान के जरिए बड़ी संख्या में लंबित मामलों का समाधान हो सकेगा और प्रभावित परिवारों को राहत मिलेगी।

पहले भी हजारों मामलों का हुआ निराकरण

महिला आयोग के अनुसार पिछले करीब साढ़े पांच वर्षों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 370 से अधिक जनसुनवाई आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में 8000 से ज्यादा मामलों का निराकरण किया गया है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए इस बार संभाग स्तर पर व्यापक जनसुनवाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के मामलों की सुनवाई की जाएगी। आयोग ने बताया कि सभी संभागों में जनसुनवाई सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जिन आवेदकों के मामले पहले से सूचीबद्ध हैं, उन्हें सुनवाई में स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा जो महिलाएं पहले आवेदन नहीं कर पाई हैं, वे भी सुनवाई स्थल पर पहुंचकर नया आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं।

मामलों के लिए दो न्यायपीठ गठित : मामलों की संख्या को देखते हुए आयोग ने सुनवाई के लिए दो न्यायपीठों का गठन किया है। मुख्य न्यायपीठ का नेतृत्व आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और संबंधित संभाग की प्रभारी सदस्य करेंगी। यह पीठ गंभीर महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की सुनवाई करेगी। वहीं दूसरी न्यायपीठ में आयोग की अन्य सदस्य शामिल रहेंगी, जहां ऐसे मामलों की सुनवाई होगी जिनका समाधान काउंसलिंग और आपसी समझौते से संभव है।

विभाग और प्रशासन का सहयोग

इस अभियान को सफल बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला संरक्षण अधिकारी, सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सलाहकारों का सहयोग लिया जा रहा है। सुनवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की भी व्यवस्था रहेगी।

शिक्षा विभाग में फर्जी पदोन्नति का मामला...संभागीय संयुक्त संचालक ने निरस्त किया दो कर्मचारियों का प्रमोशन

कवर्धा,07 मार्च 2026। कबीरधाम जिले के शिक्षा विभाग में विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में सामने आए करीब 2.18 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि अब विभाग में फर्जी पदोन्नति का एक और नया मामला सामने आया है। इस मामले में शिक्षा संभाग दुर्ग के संभागीय संयुक्त संचालक ने कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों की पदोन्नति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कबीरधाम को आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 में जिला शिक्षा विभागीय कार्यालय में पदस्थ शिव कुमार निर्मलकर (कनिष्ठ लेखा परीक्षक) और जेपी बर्वे (लेखापाल) को पदोन्नत कर सहायक ग्रेड-1 के पद पर नियुक्त किया गया था। इस पदोन्नति को लेकर विभाग में शिकायत की गई थी, जिसके बाद मामले की जांच की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित कर्मचारियों को दी गई पदोन्नति छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग की सेवा भर्ती नियमों के विपरीत की गई थी। इसके बाद दुर्ग संभागीय कार्यालय की ओर से संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया। दोनों कर्मचारियों ने अपना जवाब प्रस्तुत किया, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद संभागीय संयुक्त संचालक रूपलाल ठाकुर ने आदेश जारी करते हुए शिव कुमार निर्मलकर और जेपी बर्वे दोनों की पदोन्नति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम को इस पूरे मामले में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत किया गया है। गौरतलब है कि हाल ही में शिक्षा विभाग में 2.18 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी सवाल उठे थे। ऐसे में एक के बाद एक सामने आ रहे मामलों से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना होगा कि जिला शिक्षा अधिकारी इस मामले में कितनी निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई करते हैं या 2.18 करोड़ के कथित भ्रष्टाचार मामले की तरहां ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

दुर्ग में डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में तोड़फोड़... ऑर्डर में देरी पर भड़का ग्राहक,मैनेजर को गालियां दी,कंप्यूटर को मुक्का मारकर तोड़ा

दुर्ग-भिलाई,07 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक पिज्जा आउटलेट में ऑर्डर मिलने में देरी को लेकर ग्राहक ने जमकर हंगामा कर दिया। गुस्से में उसने कर्मचारियों से गाली-गलौज की और ऑर्डर लेने वाले मॉनिटर को तोड़ दिया। घटना का वीडियो सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। नेहरू नगर स्थित डोमिनोज पिज्जा आउटलेट के मैनेजर ढाकेश्वर कुमार (38) के मुताबिक गुरुवार रात ड्यूटी के दौरान नरेंद्र मानिकपुरी नाम का ग्राहक आउटलेट पहुंचा और ऑर्डर दिया। ऑर्डर मिलने में देरी होने पर वह भड़क गया। इस दौरान उसने काउंटर पर मौजूद अन्य कर्मचारियों से भी विवाद किया और गुस्से में आकर मॉनिटर तोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

2 फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार...बुजुर्ग महिला से सोने की चेन झपटकर हुए थे फरार

रायगढ़,07 मार्च 2026। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर थाना चक्रधरनगर क्षेत्र में वृद्ध महिला के गले से सोने की चैन झपटने की घटना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की माला तथा वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर जप्त की है और आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। घटना के संबंध में ग्राम सम्बलपुरी निवासी रेशमी निषाद पिता स्व. बोधीराम निषाद ने थाना चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी दादी रामकुंवर निषाद के साथ सम्बलपुरी से परसदा चंद्रपुर जाने के लिए मां मंगला कंपनी की बस से निकले थे। सिग्नल चौक के पास उतरने के बाद दोनों पैदल सारंगढ़ बस स्टैंड जाने के लिए मरीन ड्राइव पंजरी प्लांट मार्ग से जा रहे थे। इसी दौरान स्कूटी क्रमांक CG 13 AT 9561 में सवार दो अज्ञात व्यक्ति उनके पास आए और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए किसी हादसे के संबंध में पूछताछ करने की बात कहकर आधार कार्ड दिखाने को कहा। इसी बीच एक आरोपी ने वृद्धा के गले में पहनी सोने की माला खींच ली और दोनों आरोपी स्कूटी में बैठकर मौके से फरार हो गए।

NTPC सीपत में हादसा : प्लेटफार्म टूटने से दो मजदूरों की मौत,FIR दर्ज

बिलासपुर,07 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित NTPC Sipat परियोजना में हुए दर्दनाक हादसे के मामले में पुलिस ने सात महीने बाद बड़ी कार्रवाई की है। निर्माण कार्य के दौरान प्लेटफार्म टूटने से दो मजदूरों की मौत के मामले में जांच पूरी होने के बाद ठेकेदार कंपनी के मालिक और साइट इंचार्ज के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार Sipat थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी निवासी श्याम कुमार साहू (26) और प्रताप सिंह कंवर (22) ठेका कंपनी गोरखपुर कंस्ट्रक्शन में श्रमिक के रूप में काम करते थे। 6 अगस्त 2025 की सुबह दोनों अपने साथियों संत कुमार साहू, प्रिंस यादव और मनीष वर्मा के साथ एनटीपीसी सीपत परियोजना में काम करने पहुंचे थे। सभी मजदूर स्टेज-02 यूनिट-05 के पहले फ्लोर पर निर्माण कार्य कर रहे थे। बताया गया कि काम के दौरान अचानक प्लेटफार्म का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। प्लेटफार्म गिरने से श्याम कुमार साहू और प्रताप सिंह कंवर उसके नीचे दब गए।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ : किराए के मकान में चल रहा था देह व्यापार,एमपी से बुलाई गई थी युवतियां

धमतरी,07 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। किराए के मकान में चल रहे इस अवैध कारोबार पर पुलिस ने दबिश देकर बैतूल,मध्यप्रदेश की दो युवतियों और लोकल तीन युवकों को हिरासत में लिया है। पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार नंदा हॉस्पिटल गली के पास स्थित एक किराए के मकान में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां होने की शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस से की जा रही थी। शिकायत के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस की टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान मौके पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने मौके से दो युवतियों और तीन युवकों को पकड़ा। बताया जा रहा है कि पकड़े गए तीनों युवक धमतरी जिले के ही निवासी हैं, जबकि युवतियां मध्यप्रदेश के बैतूल क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही कॉलोनी के कई लोग सिटी कोतवाली थाना पहुंचे और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अब तक इस मामले में पुलिस का किसी भी प्रकार का बयान सामने नहीं आया है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

- सुशील गिलहरे पिता विष्णु गिलहरे उम्र 38 वर्ष निवासी साल्हेवार पारा धमतरी
- खुमान साहू पिता दुखूराम साहू उम्र 40 वर्ष निवासी कर्मा चौक धमतरी
- लोचन देवांगन पिता राजूराम देवांगन उम्र 32 वर्ष निवासी रामपुर वार्ड धमतरी

CMYK

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026
के अवसर पर

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

महतारी गौरव वर्ष

वृहद महतारी वंदन सम्मेलन-2026

08 मार्च 2026

दोपहर 12:00 बजे

लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम, जनपद पंचायत बस्तर

सखी वन स्टॉप सेंटर
SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी मदद

महतारी वंदन योजना
69 लाख से अधिक महिलाओं को ₹15,595 करोड़ की सहायता
2026-27 बजट में ₹8,200 करोड़ का प्रावधान

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना
दो वर्षों में 21,754 बालिकाओं का विवाह संपन्न
प्रत्येक जोड़े को ₹50,000 की सहायता राशि

यूनिटी मॉल
महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय हेतु व्यापक बाज़ार

लखपति दीदी योजना
8 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी
10 लाख अतिरिक्त महिलाओं को लखपति दीदी बानाने का लक्ष्य

लखपति दीदी भ्रमण योजना
₹05 करोड़ का बजटीय प्रावधान
लखपति दीदियों को कराया जाएगा एक्सपोज़र विज़िट

रजिस्ट्री शुल्क
महिलाओं को रजिस्ट्री शुल्क में 50% की छूट का बजटीय प्रावधान

महतारी सदन
368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु ₹108.78 करोड़ स्वीकृत
137 महतारी सदनों का निर्माण पूर्ण

बिहान योजना
42,878 महिला स्व-सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक ₹129.46 करोड़ का लाभ

रेडी टू ईट
पायलट प्रोजेक्ट के रूप में महिला स्व-सहायता समूहों को पुन: रेडी टू ईट के कार्य की ज़िम्मेदारी

संवाद 47110/59

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)